विरोध में तर्क !—

1. वैज्ञानिक प्रमाण का अभाव – नियंत्रित परीक्षणों में भविष्यवाणियाँ प्रमाणित नहीं।
2. सामान्यीकरण (Barnum Effect) – कथन इतने सामान्य होते हैं, कि सभी पर लागू हो जाते हैं।
3. कारण - कार्य संबंध का अभाव — ग्रहों और मानव व्यवहार के बीच प्रत्यक्ष वैज्ञानिक संबंध सिद्ध नहीं।
4. पुनरावृत्ति की समस्या — अलग- अलग ज्योतिषियों के निष्कर्ष अलग हो सकते हैं।

→ भारतीय संदर्भ में ज्योतिष !—

- वेदांग ज्योतिष (लगभग 1200 - 800 ईसा पूर्व)
- आर्यभट्ट वराहमिहिर आदि विद्वानों का योगदान
- विश्वविद्यालयों में ज्योतिष पाठ्यक्रम जैसे UGC द्वारा मान्यता
- सामाजिक और धार्मिक जीवन में प्रभाव।

→ आधुनिक शोध एवं अध्ययन !—

- आधुनिक कुछ सांख्यिकीय अध्ययनों में ज्योतिषीय भविष्यवाणियों की सटीकता पर प्रश्न उठे हैं।
- मनोविज्ञान के क्षेत्र में "confirmation bias" और "placebo effect" का उल्लेख
- वैज्ञानिक समुदाय सामान्यतः ज्योतिष को Pseudo science (छद्म- विज्ञान) मानता है।

निष्कर्ष !—

ज्योतिष भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है, परन्तु आधुनिक विज्ञान की कसौटियों पर इसे पूर्णतः वैज्ञानिक सिद्ध नहीं किया जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

विपक्ष में तर्क!—

1. वैज्ञानिक प्रमाण का अभाव — नियंत्रित परीक्षणों में भविष्यवाणियाँ प्रमाणित नहीं।
2. सामान्यीकरण (Barnum Effect) — कथन इतने सामान्य होते हैं, कि सभी पर लागू हो जाते हैं।
3. कारण-कार्य संबंध का अभाव — ग्रहों और मानव व्यवहार के बीच प्रत्यक्ष वैज्ञानिक संबंध सिद्ध नहीं।
4. पुनरावृत्ति की समस्या — अलग-अलग ज्योतिषियों के निष्कर्ष अलग हो सकते हैं।

→ भारतीय संदर्भ में ज्योतिष!—

- वेदांग ज्योतिष (लगभग 1200-800 ईसा पूर्व)
- आर्यभट्ट वराहमिहिर आदि विद्वानों का योगदान
- विश्वविद्यालयों में ज्योतिष पाठ्यक्रम जैसे UGC द्वारा मान्यता
- सामाजिक और धार्मिक जीवन में प्रभाव।

→ आधुनिक शोध एवं अध्ययन!—

- कुछ सांख्यिकीय अध्ययनों में ज्योतिषीय भविष्यवाणियों की सटीकता पर प्रश्न उठे हैं
- मनोविज्ञान के क्षेत्र में "Confirmation bias" और "Placebo effect" का उल्लेख
- वैज्ञानिक समुदाय सामान्यतः ज्योतिष को Pseudo science (छद्म-विज्ञान) मानता है।

निष्कर्ष!—

ज्योतिष भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है, परन्तु आधुनिक विज्ञान की कसौटियों पर इसे पूर्णतः वैज्ञानिक सिद्ध नहीं किया जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

इसे सांस्कृतिक-दार्शनिक महत्त्व के रूप
स्वीकार किया जा सकता है, किन्तु वैज्ञानिक मान्यता
के लिए कठोर परीक्षण और प्रमाण आवश्यक है।

"ज्योतिष आस्था और परंपरा का विषय हो सकता है, किन्तु विज्ञान की मान्यता हेतु प्रमाण, परीक्षण और पुनरावृत्ति की कसौटी अनिवार्य है।"